बाबा तेरी अमर कथा | By Abhishek Khirwal

बाबा तेरी अमर कथा वेदों ने बखानी है
मैं दर....मैं दर का भिखारी हूँ तू तो शीश का दानी है
बाबा तेरी अमर कथा .....

मैं हार गया जग से, सुनले लीले वाले
अब सहा नहीं जाए पैरों में पड़े छले
पैरो में पड़े छाले.....
मैं हूँ निर्बल बाबा तू तो बलवानी है
मैं दर....मैं दर का भिखारी हूँ तो तो शीश का दानी है
बाबा तेरी अमर कथा .....

अब कैसे लाज बचे, कोई ना हमारा है
मारों या पुचकारो ये दास तुम्हारा है
ये दास तुम्हारा है .....
अब तेरे हवाले मेरी सारी ज़िंदगानी है
मैं दर....मैं दर का भिखारी हूँ तो तो शीश का दानी है
बाबा तेरी अमर कथा .....

दर दर ठोकर खाके आया तेरे द्वारे
खाली झोली मेरी कुछ पास नहीं म्हारे
कुछ पास नहीं म्हारे.....
टप टप टपके मेरी आँखों से पानी है
मैं दर....मैं दर का भिखारी हूँ तो तो शीश का दानी है
बाबा तेरी अमर कथा .....

तेरा दास रविंदर तो घुट घुट के जीता है
तेरा शीश दान बाबा बड़ा परम पुनिता है
बड़ा परम पुनिता है.....
अभिषेक ने लिख डाली ये करुण कहानी है
मैं दर....मैं दर का भिखारी हूँ तो तो शीश का दानी है
बाबा तेरी अमर कथा .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%ae%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%a5%e0%a4%be-by-abhishek-khirwal/